८. पदकवायत

उद्दिष्टे

(१) अंगी शिस्त येणे.

(२) वक्तशीरपणा निर्माण होणे.

(३) एकाच्या आदेशावर सामाजिक काम करण्याची वृत्ती येणे.

(४) देशप्रेम निर्माण होणे.

(५) गणवेशातून शिस्त निर्माण होणे.

पदकवायत म्हणजे परेड. आपण २६ जानेवारी, १५ ऑगस्ट, १ मे या वेळी पोलीस विभाग, सैनिकांचे राष्ट्रीय संचलन पाहतो. या संचलनाची तयारी शालेय जीवनात व्हावी म्हणून आपण वाहतूक सुरक्षा (RSP) या विषयामध्ये परेडचे ज्ञान घ्यायचे आहे. यामधून आपल्या अंगी राष्ट्रप्रेम, शिस्त, वरिष्ठांना आदर देणे, गणवेशाची शिस्त ह्या गुणांची निर्मिती होईल.

परेड मैदानावरील सर्व कृतींचे आदेश 'हिंदी' मध्येच द्यावे लागतात. त्यामुळे हा पाठ हिंदीमध्ये अभ्यासावा.

प्रत्यक्ष आदेश और कार्यवाही

उपक्रम

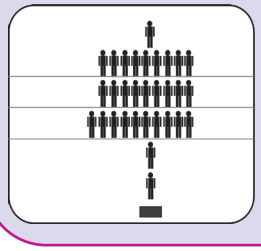

आपल्या वर्गातील आर.एस.पी पथकाची मैदानावर उभे करून रचना करायची आहे.

- ड्रिल किसे कहते है? (पदकवायत)
  सब जवान मिलकर एक हुकूमपर एक साथ काम करते हैं!
- ड्रिलका उद्देश क्या है!

१. छात्रोंमें एक हुकूमपर एक साथ काम करने की आदत निर्माण करना।

२. छात्रोंको सही/उचित ढंगसे चलना फिरना सिखाना।

३. ड्रिल सीखनेसे (छात्रोंको) अनुशासन और अच्छा गणवेश परिधान करने की आदत पडती है।

४. ढंगसे और ठीकसे की गई परेड प्रशिक्षण को ऊँचा उठाती है।

५. ड्रिल करनेसे जवानों के दिलमें आत्मविश्वास तथा अपने अधिकारी, शिक्षक और युनिट के बारेमे आत्मसम्मान निर्माण होता है।

- **ड्रिलमें कौनसे संकेत दिए जाते हैं?**

सावधान, विश्राम, आरामसे, दहिने सज, दहिने मूड, बाये मूड, पिछे मुड, खुली लाईन, निकट लाईन चल, २-३ कदम आगे पीछे चल, दहिने बाजू, बाएँ बाजू चल, दौड के चल, सैल्युट, स्कॉड बनाना, स्कौडड्रील के फोर्मेशेन, दिशा बदल।

सावधान

सावधान का उद्देश और स्थिती : सावधान स्थितीमें ड्रिल का शुरु का काम होता है। ड्रिल का हर काम सावधानसेही किया जाता है । अपने वरिष्ठोसे कोई बातचीत करनी हो तो सावधान होकर की जाती है । सावधान यह एक आदरणीय स्थिती है। जो की सैल्युट के बराबर मानी जाती है । 'सावधान' इस आदेशपर बाया पैर १२ इंच उपर उठाकर दहिने पैरसे मिलायेंगे, दोनो पैरोंकी एडी मिली हुई दोनो पंजो के बीच ३० डीग्री का अंतर हो। दोनो पैर सख्त, सीना उठा हुआ हो, दोनो हाथोंकी मुठ्ठी मामुली बंद हो, दोनो हाथ टॅक (पँट के सिलाई) के साथ मिले हुए, कंधे चौरस ओर नजर कदके मुताबीक सामने हो।

इस स्थिती में कोई हरकत ना की जाए तब तक की विश्राम ना दिया जाए। **(आदेश प्लॅटून सावधान)**

विश्राम

विश्राम का उद्देश : सावधान में जादा देर तक हम खडे नही रहे सकते इसी लिए विश्राम किया जाता है । इस स्थिती में दोनो पैर खुले हो, दोनो एडी में १२ इंच और पंजोमे १८ इंच अंतर हो। दोनो हाथ पीछे की तरफ हो और बाएँ हाथ मे दहिना हाथ फसा हुआ हो। जिस तरह सावधान मे कोई हरकत नही होती उसी तरह विश्राम में भी कोई हरकत नही करनी चाहिए जब तक की आरामसे न किया जाए। **(आदेश प्लॅटून विश्राम)**

आरामसे

आरामसे का उद्देश : सावधान की तरह विश्राम में भी हम अधिक समय तक खडे नही रह सकते इसलिए 'आरामसे' का आदेश दिया जाता है।

इस आदेश पर पैरोंकों हम हिला नही सकते क्यों की प्लॅटून का ड्रेसिंग कवरिंग बिगड सकता हैं। सिर्फ कमर के उपरवाले शरीर की हरकते कर सकते हैं। यह एक आरामदायी स्थिती है। **(आदेश प्लॅटून आरामसे)**

दहिने सज

(आदेश प्लॅटून दहिने सज) दहिने सजका उद्देश : स्क्वॉड में या प्लॉटून में खडे जवानों को सामने से कवर और दहिनेसे ड्रेसिंग रखनेके लिए दहिने सज किया जाना है। दहिने सज इस आदेश पर दर्शक जगहपर खडा रहेगा बाकी तमाम जवान एक-दो बोलके एक कदम आगे लेंगे। दो-तीन-एक बोलकर सामनेवाली लाईन अपना दहिना हाथ दहिने तरफ उठाते हुऐ अपनी गर्दन दहिनी तरफ मोड देंगे साथ ही साथ दर्शक के पहिलेवाले जो दो साहाय्यक दर्शक होते है वो अपना हाथ सामने उठाऐंगे। गर्दन सामने रखेंगे बाकी बचे हुए सब जवान सिर्फ गर्दन को अपने दहिने तरफ मोड देंगे। साथ ही साथ दर्शक के पहिलेवाले जो दो साहाय्यक दर्शक होते है वो

परेड मैदानावर प्लॅटून उभे करून त्यांचे कडून 'परेड सावधान', 'परेड विश्राम', 'परेड आरामसे', 'परेड दहिने सज', 'परेड खुली लाईन चल', 'परेड निकट लाईन चल' या कृतींचे सादरीकरण करावे.

अपना हाथ सामने उठाएंगे, गर्दन सामने रखेंगे बाकी सब जवान सिर्फ गर्दन को अपने दहिने तरफ मोड देंगे। फिर दो-तीन-एक बोलकर अपने पैरों के पंजे एडी के सहारे पीछे की हरकत करेंगे और ड्रेसिंग और कवरिंग करेंगे। फिर आदेश मिलेगा 'सामने देख' तो गर्दन को सामने मोड देंगे और सामनेवाली लाईन और दो सहाय्यक दर्शक अपने हाथ नीचे लेंगे और मुँहसे बोलेंगे - 'एक' फिर स्क्वॉड मे खडे जवानोंकी गिनती करने के लिए और अपनी स्थिती समजमे आने के लिए आदेश मिलेगा, 'दहिनेसे गिनती कर'।

खुली लाईन चल- निकट लाईन चल

वरिष्ठोंद्वारा प्लॅटूनका निरीक्षण करना हो तो स्क्वॉड या प्लॅटूनको खुली लाईन किया जाता है। और प्लॅटूनको मार्च करना हो या कोई और परेड का काम लेना हो तो निकट लाईन किया जाता है । 'खुली लाईन चल' इस आदेश पर पहली लाईन डेढ़ कदम आगे आएगी, बीचवाली लाईन जगह पर खडी रहेगी और पीछेवाली लाईन डेढ़ कदम पीछे जाएगी। मुहसे बोलेंगे १-१-२। 'निकट लाईन चल' आदेशपर सामनेवाली लाईन डेढ़ कदम पीछे जाएगी, बीचवाली लाईन जगहपर खडी रहेगी और पीछेवाली लाईन डेढ़ कदम आगे जाएगी। मुहसे बोलेंगे १-१-२ **(आदेश प्लॅटून खुली लाईन चल या प्लॅटून निकट लाईन चल)**

लाईन व फाईल

एक जवान के कंधे को कंधे लगाकर जवान खडे रहते है उससे जो लकीर बनती है, उसे लाईन कहते है, और एक जवान के पीछे और जवान खडे रहते हुए जो लकीर बनती है उसे फाईल कहते है। तीन लाईन या तीन फाईल मिलकरही स्क्वॉड या प्लॅटून तयार होता है।

स्क्वॉड ड्रिल के फॉरमेशन

- लाईन फॉर्मेशन
- तीनो-तीन फॉर्मेशन
- सिंगल फाईल फॉर्मेशन

मुडना

अ) दहिने मुड : अगर हमे सामनेवाली दिशासे अपने दहिने तरफ जाना हो तो ९० डिग्री टर्न करना पडता हैं। 'दहिने मुड' इस आदेशपर अपने दहिने पैर की एडी और बाये पैर के पंजे के बल अपने दहिने तरफ टर्न करेंगे। मुहसे बोलेंगे १-२-३-१ और दहिने पैर के साथ बाया पैर मिलाएँगे। **(आदेश प्लॅटून तीनो तीनमें दहिने चलेगा दहिने मुड।)**

ब) बाएँ मुड : अगर हमे सामनेवाली दिशासे अपने बायी तरफ जाना हो तो ९० डिग्री टर्न करना पडता हैं। 'बाएँ मुड' इस आदेशपर अपने बाये पैर की एडी और दहिने पैर के पंजे के बल अपने बाएँ तरफ टर्न करेंगे। मुहसे बोलेंगे १-२-३-१ और बाएँ पैर के साथ दहिना पैर मिलाएँगे। **(आदेश प्लॅटून तीनो तीनमें बाएँ चलेगा बाएँ मुड।)**

क) पीछे मुड : अगर हमे सामनेवाली दिशासे अपने पीछे तरफ जाना हो तो अपने दहिनेसे दहिने पैर की एडी और बाएँ पैर के पंजे के बल अपने पीछे की तरफ १८० डिग्री टर्न करना पडता हैं। दहिने पैर से बाएँ पैर मिलाऐंगे और सावधान स्थिती बनाते हुए मुहसे बोलेंगे १-२-३-१। **(आदेश प्लॅटून तीनो तीनमें पीछे लौटेगा पीछे मुड।)**

दो कदम आगे, पीछे, दहिने बाजू चलना, बाएँ बाजू चलना

दो प्लॅटून या दो स्क्वॉड मे फासला बढ जाता है, तो उसे तय करने के लिए प्लॅटून को दो से चार कदम तक आगे, पीछे, दहिने, बाएँ बाजू चल यह कार्यवाही की जाती हैं। प्लॅटून को दोन कदम आगे पीछे लेना हो तो प्लॅटून दो कदम आगे चल दो कदम पीछे चल इस आदेशपर बाया पैर आगे या पीछे निकालते हुए गिनती देंगे १-२-३ और अपने दाहिने या बाएँ बाजू जाने के लिए गिनती देगे १-१-१-२।

चालके प्रकार तीन है

१) धीरे चाल, २) तेज चाल, ३) दौड चाल

१) **धीरे चल:** धीरे चाल मे प्लॅटूनो के जवानों मे ड्रेसिंग कवरिंग बिगड जाती है तो उसे दुरुस्त करने के लिए धीरे कदम ताल तेज चाल के लिए कदम ताल और दौड चाल के लिए दौड कदम ताल।

२) **तेज चाल:** एक जगहसे दुसरी जगह जल्दी जाना हो तो अनुशासन को कायम रखते हुए तेज चालकी कार्यवाही की जाती है । परेड ग्राऊंडपर जो परेड होती है वो तेज चालमे होती है। तेज चाल पैरों की एडी पर चली जाती है। ३० इंच का कदम निकाला जाता है या अपने कदके अनुसार कदम लिए जाते है। लेकीन प्लॅटून की कवरींग ड्रेसिंग ठीक रहनी चाहिए।

प्लॉटून को सामने हो तो आदेश देंगे –

'प्लॅटून आगे बढेगा दहिनेसे तेज चाल' इस आदेशपर बाया पैर आगे निकालेंगे और दहिना हाथ कंधे के लाईनमे सामने। बाया हाथ पीछे हो दोनो हाथो की मुठ्ठी मामुली बंद हो, और बाएँ पैर की एडी जमीन पर टिकाऐंगे हाथो को स्वींग देते हुए बाया हाथ सामने और दहिना हाथ पीछे ले जाऐंगे। नजर सामने हो, ड्रेसिंग कवीरंग का खयाल रखेंगे। इस मुताबिक लगातार चलेंगे और मुहसे बोलेंगे १-२-१-२। तेज चालकी चलती हुई हालत मे 'थम' करना है तो, आदेश देंगे 'प्लॅटून' 'थम'। लेकीन ध्यान रखे थम यह आदेश दहिने पैर पर खत्म हो। प्लॅटून बाये पैर को एक बोलकर दो के लिए दहिना पैर ये पैर से मिलाएँगे। यहा पर प्लॅटून थम की कार्यवाही समाप्त होती है। **(आदेश प्लॅटून थम-१-२)**

३) **दौड चाल:** (आदेश- 'स्क्वॉड आगे बढेगा-दौडके चल')

बाएँ पैर को आगे बढाते हुएँ पंजोसे दौडके चले। इसमे शरीर को थोडा आगे झुकाएँ लेकिन चाल सही बनी रहे। प्रत्येक कदम उठाते समय पैरोंको जमीन से पूरा उठाना चाहिए तथा जांघ, घुटने और टखनोंके जोड बिना रुकावट के स्वाभाविक रूपसे हिलने चाहिए। पीछले पैर के धक्केसे पूरा शरीर बिना किसी प्रयत्न के आगे आना चाहिए। एडीयोंको सीट की तरफ जादा उपर नही उठाना चाहिए। लेकीन पैर को सीधा सामने लाया जाए तथा पंजे जमीनपर धीरेसे रखे जाएँ। बाजू कंधोसे स्वाभाविक रूपसे हिलने चाहिए, कुहनीयों से मुडे होने चाहिए बाजू का आगला हिस्सा पीछले हिस्से के साथ १३५° का कोण बनाते हुए रखा जाए। (अर्थात हाथ के मध्य भाग तक और कुहनी के बीच समकोण बनाता हुआ हो) मुठ्ठी थोडी बंद हो । हाथों का पीछला भाग बाहर की और हाथ शरीरसे पर्याप्त दूर हो जिससे सीना एकदम तना हुआ रहे। कंधो को स्थिर रखा जाए और वह शरीरके अगले भाग के बीचों बीच हो, सिर सीधा हो कदमोंकी लंबाई ४० इंच हो एक मिनीट मे १८० कदम मार्च किया जाए।

सॅल्यूट

यह वरिष्ठों को अभिवादन करने की एक विधी है। अपने से वरिष्ठ व्यक्ती, अधिकारी इनके बारेमें अपने मनमें जो आदरभाव है उसे व्यक्त करने का एक तरीका है। जब हम अपने अधिकारी या वरिष्ठों से मिलते है, बातचित करते है या रिपोर्टिंग करते है, तो पहले सॅल्यूट करना चाहिए। राष्ट्रीय ध्वज, VIP लोग आदी को सॅल्यूट करते है। सॅल्यूट ठीक और ढंगसे किया जाए।

सॅल्यूट के प्रकार

१) चेस्ट सॅल्यूट, २) कॅप के साथ सॅल्यूट, ३) सामने सॅल्यूट,

४) संदेश सॅल्यूट, ५) दहिने सॅल्यूट, बाएँ सॅल्यूट, ६) बक्षसि सॅल्यूट

आदेश– अगर खडे खडे सॅल्यूट करना है तो आदेश देंगे.'प्लॅटून । परेड, सामने सॅल्यूट क्लास सॅल्यूट'– सॅल्यूट करते हुए गिनती देंगे '१–२–३', और चार गिनतीपर सॅल्यूट पूरा करेंगे।

तेज चाल की चलती हुई आदेश में आदेश मिलेगा सामने सॅल्यूट क्लास सॅल्यूट तो कार्यवाही इस प्रकार होगी– 'एक दो बोलके थम होंगे, सॅल्यूट करेंगे, मुहसे बोलेंगे एक दो तीन चार। बीचमें एक दो तीन गिनती करेंगे फिर एक के लिए सॅल्यूट करेंगे।' दो तीन और चार बोलकर सॅल्यूट पूरा करेंगे और पीछे मूड करके चाल जारी रखेंगे । (आदशे देते वक्त 'सामने सॅल्यूट बोलेंगे, सॅल्यूट शब्द दहिने पैर पर खत्म हो') इसी तरह संदेश सॅल्यूट क्लास सॅल्यूट इस आदेशपर एक दो बोलकर थम होंगे सॅल्यूट करेंगे एक दो तीन चार गिनने के बाद सॅल्यूट पूरा होगा। फिर एक कदम आगे लेंगे और बोलेंगे दो। दहिने हाथ से बाये हाथ के संदेश को लेंगे और बोलेंगे एक, दो संदेश सामने वाले वरिष्ठों के लिए देंगे तीन के लिए दहिना हाथ रॅन्क को मिलाएंगे । एक कदम पीछे लेंगे, बोलेंगे एक दो, फिर सॅल्यूट करेंगे। एक दो तीन चार करके सॅल्यूट पूर होगा और पीछे मुड करके तेज चाल जारी रखेंगे।

कदम के प्रकार

१) तेज कदम –३० इंच, २) धीरे कदम – १५+१५ = ३० इंच,

३) छोटा कदम – २१ इंच, ४) बडा कदम – ३३ इंच,

५) बगली कदम – १२ इंच

तेज चाल में एक मिनट में १२० कदम, धीरे चाल में ७० कदम और दौडचाल में १८० कदम चलना चाहिए।

परेड के लिए वर्ड ऑफ कमांड

परेड प्लॅटून वाईज फॉलॉन करने के बाद परेड कमांडर के वर्ड ऑफ।

१) परेड सावधान

२) परेड राष्ट्रीय ध्वज को सलामी देंगे राष्ट्रीय सॅल्यूट सलामी दो। (शस्त्र/रायफल हो तो सलामी शस्त्र)

३) राष्ट्रगीत पूरा होने पर 'बाजू शस्त्र' इस आदेश पर सॅल्यूट पूरा करेंगे या स्टडी अप पर हात नीचे लेंगे।

४) परेड कमांडर मंचपर खडे VIP को रिपोर्ट देने के लिए तेज चालमे जाऐंगे, थम होकर सॅल्यूट करेंगे ''श्रीमान परेडपर १ परेड कमांडर, १ सेकंड कमांडर, प्लॅटून कमांडर और १२० जवान। विद्यार्थी हाजीर है। परेड निरीक्षण के लिए तैयार है। निरीक्षण हो जानेपर, 'श्रीमान परेड मार्च करने की अनुमती चाहता हूँ। फिर परेड कमांडर अपने जगहपर आयेगा फिर वर्ड ऑफ होंगे.'

५) परेड निकट लाईन चल।

६) परेड दहिनेसे तीनों तीन के कुच कॉलम मै मंचसे गुजरेगी, तेज चालमे परेड तीनो तीन के कुच कॉलम मे दहिने चलेगी दहिने मुड। (परेड दहिने मुड होगी फिर परेड कमांडर परेड के आगे जाकर खडे रहेंगे और प्लॅटून कमांड अपने-अपने प्लॅटून के आगे जाएँगे सुपर नंबरी प्लॅटून के पीछे आएगा।) बाये मुड करेंगे ।

७) फिर परेड कमांडर आदेश देगा - 'प्लॅटून क्रमांक १ आगे'

८) इसके बाद तुरंत नं. १ प्लॅटून कमांडर आदेश देगा, क्रमांक १ प्लॅटून बायेसे तेज चल, (ढोल के ताल पर तेज चलती रहेगी.)

९) इसके बाद क्र.२, क्र.३, क्र.४ आदी परेड मंचके सामने आती है तो हर प्लॅटून कमांडर अपने अपने प्लॅटून को आदेश देंगे। उदा. क्रमांक १ प्लॅटून दहिने देख.

देख यह शब्द बाये पैर पर खत्म हो और दहिने पैरको 'खाली' और बाये पैर को 'एक' ऐसे बोलकर दहिने देख कार्यवाही होगी। आगे चलकर - क्रमांक १ प्लॅटून सामने देख की कार्यवाही पूरी होंगी।

हर प्लॅटून कमांडर दहिना सॅल्यूट करेंगे, परेड थम होगी। इसी तरह हर प्लॅटून कार्यवाही करेंगे ।

१०) इसके बाद परेड निरीक्षणके लिए मध्यसे तेज चल पूर परेड अपने जगहपरसे १६ कदम आगे जाकर रुकेगी। अतिथी निरीक्षण के बाद परेड खत्म होती है।

११) संचलनके दौरान ध्यान रखनेवाली बाते -

(अ) हाथ की स्वींग ठीक हो । (ब) प्लॅटून के हर जवानों मे ड्रेसिंग कवरिंग ठीक हो।

(क) हर जवान का कदम एक ही हो। (ड) परेड कमंडर, प्लॅटून कमांडर इनके वर्ड ऑफ कमांड दुरुस्त हो।

विद्यार्थ्यांचे प्लॅटून तयार करा. व पुढील बाबी करून घ्याव्यात व त्याचे सादरीकरण करावे.

बाएँ दिशाबदल, दहिने दिशाबदल, बाएँ या दहिने स्क्वॉड बना.

प्रात्यक्षिक

परेड ग्राऊंडवर परेड उभी झाल्यानंतर, सावधान, विश्राम, दहिने मुड, बाये मुड, पीछे मुड, खुली लाईन, निकट लाईन चल, सॅल्यूट, दहिने, बाये, बक्षीस, मसेज सॅल्यूट यांचा सराव करावा व संचलनाचा सराव करावा.

पदकवायतमध्ये आधुनिक तंत्रज्ञानाचा वापर

- २६ जाने, १५ ऑगस्टच्या राष्ट्रीय परेड T.V.वर पाहायला मिळते.
- सैनिकांची परेड T.V. वृत्तपत्रांमधून अभ्यासायला मिळते.
- पोलिसांची परेड स्थानिक केबलवर पाहणे.

मूल्यमापन

निकष	उत्तम (खूप चांगले)	योग्य (समाधानकारक)	अयोग्य (असमाधानकारक)	गुण
पदकवायत	दैनंदिन पदकवायत परेडवेळी परेड कमांडरचे काम केले.	परेडवेळी सेकंद परेड कमांडर काम करण्यास आवडते.	परेडमध्ये एक प्लॅटूनचा घटक होण्यास विशेष उत्सुकता नव्हती.	
पदकवायत आदेश	पदकवायत आदेश उत्तम प्रकारे दिले.	पदकवायत आदेशाचे वाचन करून पालन करतो.	आदेशाचे आकलन झाले नाही.	
२६ जानेवारी, १५ ऑगस्ट, १ मे, R.S.P. डे या संचलनावेळी परेडमध्ये सहभाग.	R.S.P. चा गणवेश आवडीने परिधान करून परेड नियंत्रित केली.	शालेय परेडच्या तासिकांना हजर राहील याची दक्षता घेतली हे जाणवले.	सहभाग नाही.	

***

माझा अभ्यास

१. पदकवायतीमध्ये कोणकोणते संकेत दिले जातात ते लिहा.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

२. सॅल्युट प्रकाराची चित्रे चिकटवून माहिती लिहा.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. वाघा बॉर्डरवरील परेडचे चित्र गोळा करून त्याविषयीची माहिती लिहा.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

४. १५ ऑगस्ट व २६ जानेवारी या दिवशी आर.एस.पी. विद्यार्थी म्हणून कशाप्रकारे संचलन कराल याविषयी माहिती लिहा.

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....